1 अगस्त 2022

बदलते जमाने का अखबार

पीपुल्स समाचार

स्थापना वर्ष 2009

twitter.com/psamachar1 facebook.com/peoplessamachar1 whatsapp 9644644460 instagram.com/peoplessamachar1 www.peoplessamachar

स्मार्ट हो गई नेकी की दीवार, कवर्ड कैंपस में शिफ्ट हो रहे आनंदम केंद्र, दिखने लगे शो-रूम जैसे

गरीब बच्चों को ऑन डिमांड बांट रहे कंप्यूटर-स्मार्टफोन

राजीव सोनी ● भोपाल

मो.नं. 9425144091

मप्र में शुरू की गई "नेकी की दीवार" का स्वरूप अब सजे-संवरे शो-रूम की तर्ज पर आनंदम केंद्र में बदलने लगा है। इन केंद्रों पर जरूरतमंद बच्चों को कॉपी-किताबों के साथ अब ऑन डिमांड कम्प्यूटर, टीवी, साइकिल और स्मार्टफोन जैसे सामान भी मिलने लगे हैं। मंडला में पर्वत मरावी के बच्चे को पढ़ाई के लिए जब कंप्यूटर और सीताराम मरावी को स्मार्ट फोन मिला तो उनकी खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा। ऐसे केंद्रों की संख्या करीब 175 है। करीब 5 दर्जन को कवर्ड कैंपस में पहुंचाने की तैयारी है।

पीपुल्स समाचार स्पेशल

डिमांड पर दी गई साइकिल।

रक्तदान, फ्री कोचिंग की सेवाएं भी यहां मिल रहीं

प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने "जॉय ऑफ गिविंग" के कॉन्सेप्ट पर 5 साल पहले राज्य आनंद संस्थान के जरिए छोटे-बड़े शहरों में "नेकी की दीवार" शुरू कराई थीं। अब इन्हें आनंदम केंद्र के रूप में कवर्ड कैंपस में ले जाया जा रहा है। यहां जरूरत के सामान के अलावा रक्तदान और बच्चों को फ्री कोचिंग जैसी गतिविधियां भी चलने लगी हैं। ऐसे संगठन व दानदाताओं को भी जोड़ा गया है, जो सामान डिमांड पर उपलब्ध करा रहे हैं।

बच्चों को डोनेट किए स्मार्ट फोन और डेस्कटॉप

मंडला आनंदम केंद्र के प्रभारी विष्णु कुमार सिंगोर बताते हैं कि कटंगी के पर्वत मरावी के 12वीं कक्षा में पढ़ रहे बच्चे को यहां से डेस्क टॉप कंप्यूटर मिल गया। बिछिया निवासी सीताराम मरावी और एक अन्य बच्चे को आनंदम केंद्र से जुड़े घनश्याम ज्योतिषी ने नए स्मार्टफोन डोनेट कर दिए। मंडला की ही कविता अग्रवाल को शादी के लिए नए कपड़े, एक बच्ची को साइकिल और ग्राम दानीटोला के टीकाराम की कलर टीवी की जरूरत भी केंद्र ने पूरी कर दी।

भोपाल, इंदौर, कटनी और मंडला में कवर्ड कैंपस

इन केंद्रों में लोग अपने कपड़े, बैग, जूते, साइकल और घर-गृहस्थी का अतिरिक्त सामान छोड़ जाते हैं, जिन्हें केंद्र के लोग व्यवस्थित तरीके से केंद्र में डिस्प्ले कर देते हैं। कई शहरों में स्थानीय क्लब और एनजीओ ने ऐसे केंद्रों को कवर्ड कैंपस में बड़े ही व्यवस्थित शो-रूम की तर्ज पर संचालित कर दिया है। 5 दर्जन से अधिक आनंदम केंद्र अभी खुले में ही चल रहे हैं। भोपाल, इंदौर, कटनी, मंडला और उमरिया में आनंदम केंद्र कवर्ड कैंपस में चलने लगे हैं।